हिन्दी में आसानी से काम कैसे करें

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में दिनांक 21 मई, 2024 को **"हिन्दी में आसानी से काम कैसे करें"** नामक एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन संस्थान के उत्तरी परिसर के हॉल- ए में किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य संस्थान में कर्मचारियों को हिन्दी में आसानी से कार्य करने के लिए प्रेरित करना था। इसमें लगभग 25 कार्मिकों ने भाग लिया। इसमें आमंत्रित अतिथि वक्ता भा.प्रौ.सं. खड़गपुर के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, डॉ. राजीव कुमार रावत थे। हमारे संस्थान के उप कुलसचिव (भण्डार एवम् क्रय), श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला और वित्त एवम् लेखा प्रभारी, श्री जे.आर. शर्मा ने कार्यशाला की शुरुआत में अतिथि वक्ता को शॉल और टोपी पहनाकर सम्मानित किया। अतिथि महोदय ने उन्हें इस कार्यशाला में आमंत्रित करने के लिए संस्थान के निदेशक, प्रोफ़ेसर लक्ष्मीधर बेहेरा और कुलसचिव, डॉ. कुमार सम्भव पाण्डेय, हिन्दी प्रभारी, डॉ. सौम्य मालवीय का आभार प्रकट किया तथा सभी उपस्थित प्रतिभागियों का हार्दिक अभिनंदन किया। उसके पश्चात्, हिन्दी में आसानी से काम करने के लिए आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी एवम् हिन्दी ई- टूल्स पर अपनी रोचक और ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी।

डॉ. राजीव कुमार रावत ने संस्थान के कार्य को सुगमता से करने के लिए अनेक आधुनिक ई- टूल्स की व्यापक जानकारी प्रदान कर प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। उन्होंने कार्यालयीन कार्य में पुरानी परिपाटी का प्रयोग न करने और संस्थान के सभी कम्प्यूटरों में यूनिकोड को इन्स्टॉल करने का सुझाव दिया, क्योंकि यूनिकोड सभी भाषाओं में काम करने के लिए सक्षम है। उन्होंने https://balendu.com से 'स्पर्श' हिन्दी यूनिकोड टाइपिंग ट्यूटर और https: ildc.in.से हिन्दी सीखने का सुझाव दिया। इसके अतिरिक्त, अन्य टाइपिंग ट्यूटर और अनुवाद के लिए भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा विकसित 'अनुवादिनी टूल' और 'कंठस्थ' की भी संक्षिप्त जानकारी दी। भारत सरकार द्वारा हिन्दी के प्रसार के लिए संचालित कार्यक्रमों की जानकारी www.rajbhasha.gov.in से प्राप्त करने का सुझाव दिया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में हो रही प्रगति और हमारे समाज में अपनी भाषाओं से बढ़ रहे अलगाव की समस्या पर चर्चा करते हुए कर्मचारियों को आधुनिक सुविधाओं का उपयोग करते हुए हिन्दी भाषा अपनाने पर बल दिया।

इस कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी। इसके अंत में, हिन्दी प्रकोष्ठ के कनिष्ठ अधीक्षक, श्री नितिन सिंह तोमर ने डॉ. राजीव कुमार रावत का उपयोगी जानकारी प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
हिन्दी कार्यशाला/Hindi Workshop
"प्रौद्योगिकी में हिन्दी टूल्स का उपयोग"
"Use of Hindi tools in technology"
प्रस्तुति/Presentation
डॉ. राजीव कुमार रावत, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी/ Dr. Rajiv Kumar Rawat, Sr. Hindi Officer
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल/ Indian Institute of Technology Kharagpur, West Bengal

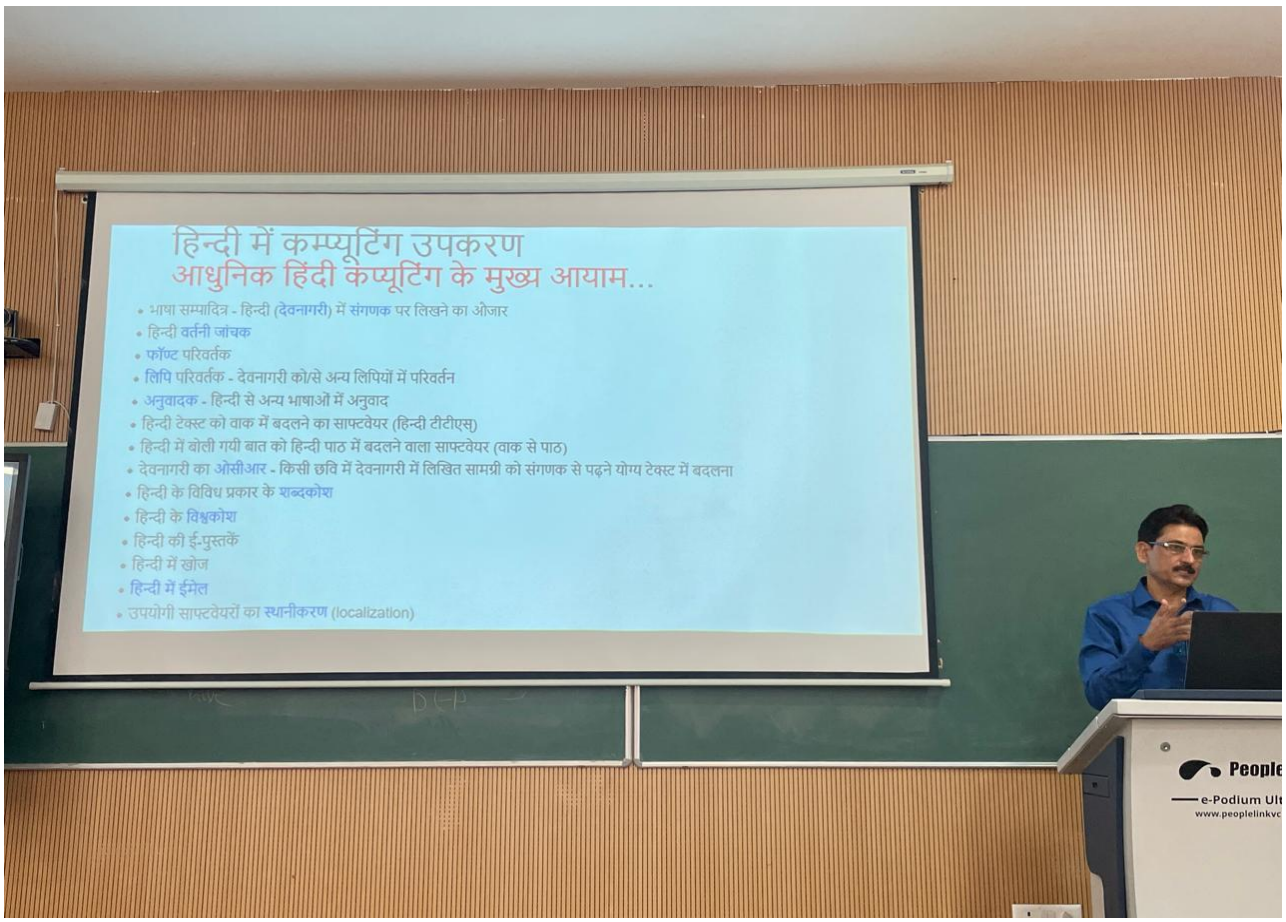
हिन्दी में कम्प्यूटिंग उपकरण
आधुनिक हिंदी कंप्यूटिंग के मुख्य आयाम...
भाषा सम्पादित्र - हिन्दी (देवनागरी) में संगणक पर लिखने का औजार
हिन्दी वर्तनी जांचक
फॉण्ट परिवर्तक
लिपि परिवर्तक - देवनागरी को/से अन्य लिपियों में परिवर्तन
अनुवादक - हिन्दी से अन्य भाषाओं में अनुवाद
हिन्दी टेक्स्ट को वाक में बदलने का साफ्टवेयर (हिन्दी टीटीएस)
हिन्दी में बोली गयी बात को हिन्दी पाठ में बदलने वाला साफ्टवेयर (वाक से पाठ)
देवनागरी का ओसीआर - किसी छवि में देवनागरी में लिखित सामग्री को संगणक से पढ़ने योग्य टेक्स्ट में बदलना
हिन्दी के विविध प्रकार के शब्दकोश
हिन्दी के विश्वकोश
हिन्दी की ई-पुस्तकें
हिन्दी में खोज
हिन्दी में ईमेल
उपयोगी साफ्टवेयरों का स्थानीकरण (localization)